प्रेस विज्ञप्ति

श्रीलंकाई मत्स्य नौका गीथ बाबा III में बुरी तरह से घायल श्रीलंकाई मछुवारे का भारतीय तटरक्षक द्वारा बचाव

27 फरवरी 18 को समुद्री बचाव समन्वय केंद्र कोलंबो से समुद्री बचाव समन्वय केंद्र मुंबई को सूचना प्राप्त हुई कि सुहेली द्वीप के पश्चिम में 100 नॉटिकल मील की दूरी पर श्रीलंकाई मत्स्य नौका पर मत्स्य शिकार कर रहा श्रीलंकाई युवक घायल हो गया है।

आईएमयूएल-ए-0507-सीएचडब्ल्यू (IMUL-A-0507-CHW) नाम से पंजीकृत नौका 5 कर्मियों के साथ मत्स्य शिकार हेतु 14 फरवरी 18 को श्रीलंका से प्रस्थान किया था। उनमें से 47 वर्षीय एक कर्मी श्री मलवट्टा के गर्दन पर कटने का गहरा घाव हो गया था।

आगे एमआरसीसी कोलंबों ने सूचित किया कि रोगी की स्थिति सामान्य है और नौका कोलंबो की ओर जा रही है। आगे 28 फरवरी 18 को श्रीलंका नौसेना की पोत द्वारा चिकित्सीय निकासी सुनिश्चित की गई है।

01 मार्च 18 को लगभग 10 बजे महानिदेशक श्रीलंका नौसेना ने सूचित किया कि घायल मछुआरे की दशा ठीक नहीं है तथा मत्स्य नौका चेनीयाकरा प्रकाश स्तंभ से 98 नाटिकल मील की दूर पर है।

मत्स्य नौका से 174 नॉटिकल मील दूरी पर स्थित भारतीय तटरक्षक पोत समर जो लक्षद्वीप क्षेत्र में एक अलग मिशन पर थी, उसे चिकित्सीय सहायता प्रदान करने हेतु श्रीलंकाई मत्स्य नौका की तरफ रवाना कर दिया गया।

भारतीय तटरक्षक पोत समर ने 01 मार्च 18 को लगभग 09 बजे रात को श्रीलंका की पोत को चिन्हित किया तथा तटरक्षक पोत में उपस्थित चिकित्सीय दल ने घायल मछुआरे को आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान किया। सिर के पीछे 8 सेमी. लंबा तथा 1.5 सेमी. गहरा घाव था।

घायल मछुवारे की नाजुक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे तटरक्षक पोत समर पर ले जाया गया जहाँ चिकित्सक ने लोकल एनाथीशिया देकर घाव की सिलाई एवं उपचार प्रदान किया। रोगी की स्थिति अब ठीक है, तथा वह देखभाल के अंदर है।

आगे के उपचार के लिए रोगी को भारतीय तटरक्षक पोत समर के द्वारा कोच्ची ले जाया जा रहा है। कोच्ची 03 मार्च 18 को दोपहर तक पोत के पहुँचने की संभावना है। एमआरसीसी कोलंबो को आगे की आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था का प्रबंध करने के लिए सूचित कर दिया गया है।